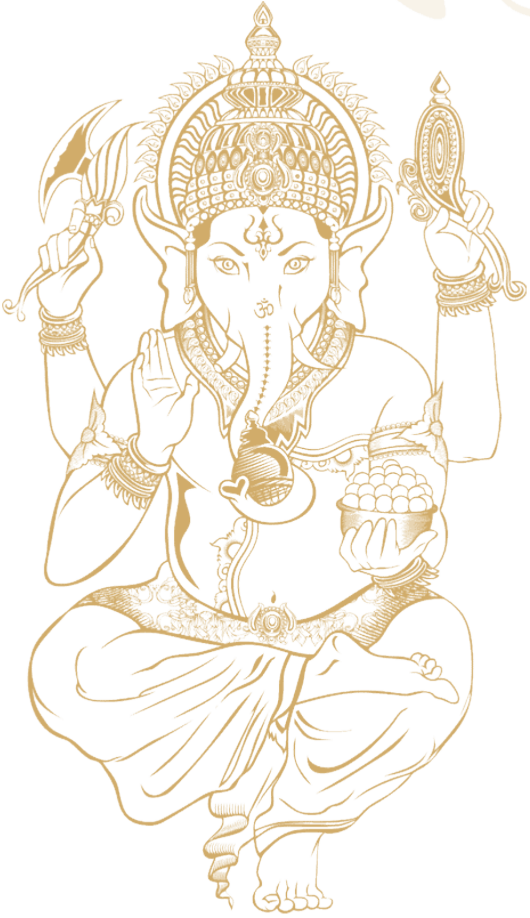

Myr.

23 Jul 1963

04:20 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119599603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22-23/07/1963**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:20:00 घंटे**
इष्ट	56:48:54 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:58:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:19 घंटे
साम्पातिक काल	23:58:44 घंटे
सूर्योदय	05:36:26 घंटे
सूर्यास्त	19:18:14 घंटे
दिनमान	13:41:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	06:03:11 कर्क
लग्न के अंश	18:38:22 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्यतिपात
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:38:22	316:21:29	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			कर्क	06:03:11	00:57:18	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	02:09:08	13:07:15	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			कन्या	04:07:12	00:35:49	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
बुध		अ	कर्क	16:07:17	01:57:26	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
गुरु			मीन	25:37:51	00:03:24	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	स्वराशि
शुक्र			मिथु	25:36:29	01:13:38	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि	व		मक	27:56:54	00:03:59	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	स्वराशि
राहु	व		मिथु	27:04:51	00:01:02	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	27:04:51	00:01:02	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	उच्च राशि
हर्ष			सिंह	10:03:31	00:03:16	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
नेप	व		तुला	19:32:50	00:00:05	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
प्लूटो			सिंह	17:07:29	00:01:40	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	06:18:22	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:20:38

लग्न-चलित

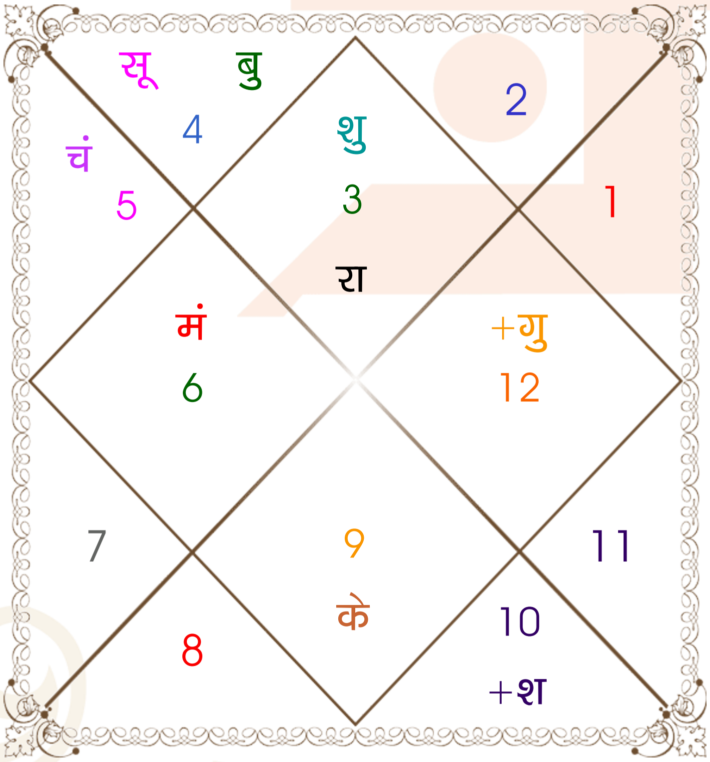

चन्द्र कुंडली

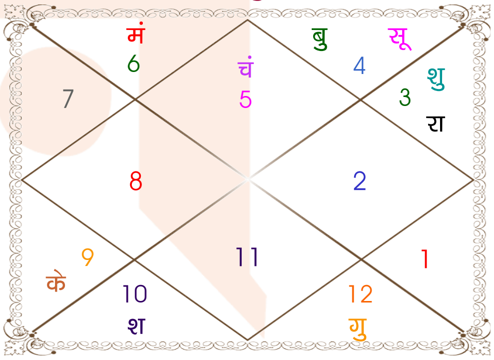

नवमांश कुंडली

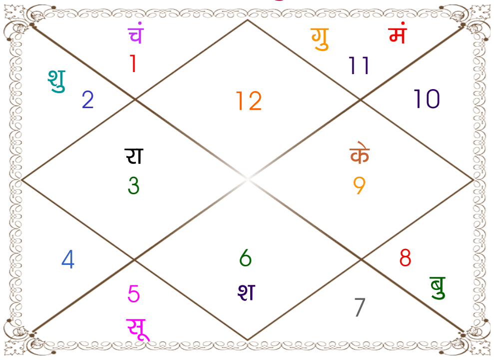

Meenna Salaria Astro &Numerio

Delhi

9667113751

salaria.meena@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 10 मास 13 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
23/07/1963		05/06/1969		05/06/1989		05/06/1995		05/06/2005	
05/06/1969		05/06/1989		05/06/1995		05/06/2005		04/06/2012	
	23/07/1963	शुक्र	04/10/1972	सूर्य	22/09/1989	चंद्र	05/04/1996	मंगल	01/11/2005
शुक्र	01/01/1964	सूर्य	04/10/1973	चंद्र	24/03/1990	मंगल	04/11/1996	राहु	19/11/2006
सूर्य	08/05/1964	चंद्र	05/06/1975	मंगल	30/07/1990	राहु	06/05/1998	गुरु	26/10/2007
चंद्र	07/12/1964	मंगल	04/08/1976	राहु	23/06/1991	गुरु	05/09/1999	शनि	04/12/2008
मंगल	05/05/1965	राहु	05/08/1979	गुरु	11/04/1992	शनि	05/04/2001	बुध	01/12/2009
राहु	24/05/1966	गुरु	05/04/1982	शनि	24/03/1993	बुध	04/09/2002	केतु	29/04/2010
गुरु	30/04/1967	शनि	05/06/1985	बुध	28/01/1994	केतु	05/04/2003	शुक्र	30/06/2011
शनि	07/06/1968	बुध	05/04/1988	केतु	05/06/1994	शुक्र	04/12/2004	सूर्य	04/11/2011
बुध	05/06/1969	केतु	05/06/1989	शुक्र	05/06/1995	सूर्य	05/06/2005	चंद्र	04/06/2012

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
04/06/2012		05/06/2030		05/06/2046		05/06/2065		05/06/2082	
05/06/2030		05/06/2046		05/06/2065		05/06/2082		00/00/0000	
राहु	16/02/2015	गुरु	23/07/2032	शनि	08/06/2049	बुध	01/11/2067	केतु	01/11/2082
गुरु	11/07/2017	शनि	03/02/2035	बुध	16/02/2052	केतु	29/10/2068	शुक्र	23/07/2083
शनि	17/05/2020	बुध	11/05/2037	केतु	27/03/2053	शुक्र	29/08/2071		00/00/0000
बुध	05/12/2022	केतु	17/04/2038	शुक्र	26/05/2056	सूर्य	05/07/2072		00/00/0000
केतु	23/12/2023	शुक्र	16/12/2040	सूर्य	08/05/2057	चंद्र	04/12/2073		00/00/0000
शुक्र	23/12/2026	सूर्य	04/10/2041	चंद्र	08/12/2058	मंगल	02/12/2074		00/00/0000
सूर्य	17/11/2027	चंद्र	03/02/2043	मंगल	16/01/2060	राहु	20/06/2077		00/00/0000
चंद्र	17/05/2029	मंगल	10/01/2044	राहु	22/11/2062	गुरु	26/09/2079		00/00/0000
मंगल	05/06/2030	राहु	05/06/2046	गुरु	05/06/2065	शनि	05/06/2082		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 10 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्देश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशाग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।